बाल भारती राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता पुरस्कार समारोह–2014

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग ने 6 अगस्त, 2014 को बाल भारती निबंध प्रतियोगिता पुरस्कार समारोह आयोजित किया। इस प्रतियोगिता का लक्ष्य बच्चों की मौलिकता और रचनात्मकता का परीक्षण करना था। 2013 में इसके लिए रिकॉर्ड संख्या में 10,000 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। विजेताओं का चयन करने के लिए एक चयन समिति बनाई गई थी जिसमें बाल साहित्य जगत से जाने–माने लोगों को शामिल किया गया था। राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में विशेष रूप से आयोजित एक समारोह में पुरस्कृत किया गया।

सुश्री हर्षिता कुशवाहा, सिंगरौली; मध्य प्रदेश; मास्टर सूर्यांश मानव दिल्ली; और सुश्री अदिति उपाध्याय, दिल्ली; को पुस्तकों के अलावा क्रमशः 5000/–, 4000/– और रु. 3000/– का पहला, दूसरा और तीसरा पुरस्कार प्रदान किया गया। सुश्री कुसुम गौतम, दिल्ली; सुश्री थर्तिका, दिल्ली; सुश्री निहारिका त्यागी, हरिद्वार, उतर प्रदेश; सुश्री अरुणिमा फड़के, वडोदरा, गुजरात; सुश्री खुशी अग्रवाल, भोपाल, मध्य प्रदेश; सुश्री पूजा सैनी, दिल्ली; सुश्री जोया म्हैसाले, पुणे, महाराष्ट्र; सुश्री अत्री गर्ग, दिल्ली; सुश्री रिया मिश्रा, बबीना, उत्तर प्रदेश और सुश्री श्रीता, दिल्ली को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रोत्साहन पुरस्कार विजेताओं को पुस्तकें भेंट की गईं। प्रतियोगिता के लिए विषयों में 'चांद पर 24 घंटे', 'जरूरी है कभी सच कभी झूठ', 'एक फूल की आत्मकथा', 'मोगली मेरे शहर/गांव में', 'आज की ताजा खबर', 'मेरे शिक्षक से कुछ सवाल', 'मेरा पार्टी टाइम' और 'मेरे सबसे अच्छे अध्यापक/अध्यापिका' शामिल थे।

फोटो कैप्शन – अपर महानिदेशक, प्रकाशन विभाग, सुश्री ईरा जोशी एकत्र श्रोताओं को संबोधित करते हुए

बाल साहित्य जगत से 10 विशिष्ट व्यक्तियों के निर्णायक मंडल ने प्रविष्टियों को पुरस्कार के लिए चुना। निर्णायक मंडल के सदस्यों में श्री दिविक रमेश, सुश्री मधु पंत, श्री सूर्यनाथ सिंह, श्री देवेंद्र कुमार, श्री श्याम सुशील, सुश्री ऊषा शर्मा, श्रीमती सुनीता, सुश्री माशा, श्रीमती विभा जोशी और सुश्री सुषमा जुगरान शामिल थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री दिविक रमेश ने अपने भाषण से आदर्श कविताओं और कहानियों के माध्यम से बच्चों का मन जीत लिया। अपर महानिदेशक, प्रकाशन विभाग, सुश्री ईरा जोशी ने बच्चों को बधाई देते हुए प्रकाशन विभाग की उपलब्धियों का बखान किया और विभाग की भावी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। बाल साहित्य से जुड़े अनेक जाने माने व्यक्ति और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर मौजूद थे।

फोटो कैप्शन : एक विजेता अपर महानिदेशक से पुरस्कार प्राप्त करते हुए, पीछे श्री दिविक रमेश दिखाई दे रहे हैं।

इस अवसर पर प्रकाशन विभाग ने मूक अभिनय और मैजिक शो का भी आयोजन किया। मूक अभिनय 'जागरण' के निदेशक श्री अरिजित रॉय द्वारा प्रस्तुत किया गया। 'जागरण' एक थिएटर आधारित गैर–सरकारी संगठन है जो अभिव्यक्ति विकास के क्षेत्र में कार्यरत है। कार्यक्रम के अंतर्गत दो शो शामिल थे। इनमें पहला शो पुनः वन रोपण और पर्यावरण के मुद्दे पर आधारित था जिसमें एक वृक्ष को गोद लेने पर बल दिया गया था। दूसरा शो जंक फूड से संबंधित था। दोनों शो शिक्षाप्रद थे जिनमें दर्शकों की रुचि निरंतर बनी रही।

इशामुद्दीन खान द्वारा प्रस्तुत मैजिक शो समारोह का अन्य आकर्षण था। जाने–माने जादूगर ने अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए बच्चों का मन मोह लियज़ं

प्रकाशन विभाग 2004 से बच्चों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। इसका आयोजन बच्चों की लोकप्रिय पत्रिका बाल भारती द्वारा 16 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए किया जाता है। शुरू में यह प्रतियोगिता दिल्ली के बच्चों के लिए सीमित थी जिसे 2008 में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का स्वरूप दिया गया। 2013 में देशभर से 10,000 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जो अपने में एक रिकॉर्ड है। बाल भारती 1948 में अपनी स्थापना के समय से ही बच्चों को मनोरंजनात्मक स्वरूप में मूल्यवान सामग्री अत्यंत कम मूल्य पर प्रदान कर रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रकाशन विभाग देश की भावी पीढ़ियों में मानवीय मूल्यों का संचार करने और उनमें जिज्ञासा तथा वैज्ञानिक मानसिकता विकसित करने के लिए गुणवत्तापूर्ण विषयवस्तु प्रदान करने के प्रति समर्पित है।